Date	Edition	Publication	Page no.
27th August 2014	New Delhi	Aaj Samaj	04

आम चुनाव 2014 की दिलचस्प झलकियों और तथ्यों पर आधारित पुस्तक

इंडिया इलेक्ट्स विमोचित

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का अग्रणी पोर्टल इलेक्सन्स इंडिया डॉट काम ने मंगलवार राजधानी के कांस्टीट्युशन क्लब में अपनी पुस्तक 'इंडिया इलेक्ट्स-2014' भारत के आम चुनाव: 2009-2014 के नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण को जारी किया। पुस्तक का विमोचन भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ. एसवाई कुरैशी ने किया। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक व एनडीटीवी लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रणब रॉय ने इस पुस्तक की प्राक्कथन लिखी गई है और डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ. आरके ठुकराल ने इसकी भूमिका लिखी है।

प्रस्तावना में बताया गया है कि भारत के पास दुनिया की सबसे उन्नत इलेक्ट्रानिक मतदान प्रणाली है। साथ ही यह अफसोस भी जताया गया है कि अभी तक इसके चुनावों पर बहुत कम मौलिक अनुसंधान हुआ है, यही कारण है कि इंडिया इलेक्ट्स-2014 बेहद महत्वपूर्ण है। विस्तृत डाटा से भरपूर यह पुस्तक 7 अप्रैल से 12 मई 2014 के बीच पूरे भारत में हुए आम चुनावों के नतीजों का विश्लेषण करती है। यह भारत के इतिहास में सबसे लंबे चुनाव और दुनिया में सबसे बड़ा वोटिंग इवेंट था, जिसमें अमेरिका के 193.6 मिलियन और यूके के 455 मिलियन मतदाताओं की तुलना में 814 मिलियन मतदाताओं ने भाग लिया। भारत में पहली बार ऐसा हुआ है कि कांग्रेस से इतर किसी दूसरी पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ है। भूमिका में उल्लेख किया गया है कि 30 से अधिक देशों के 140 से अधिक विजिटरों ने पहली बार शानदार चुनाव प्रणाली को देखा जो कई देशों के लिए एक आदर्श चुनाव प्रणाली के रूप में अपनाने लायक है।

डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ. आर के ठुकराल ने इसकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इस पुस्तक में ज्ञानवर्द्धक जानकारियों और तथ्यों को उजागर करने के लिए 205 नक्शों, 235 से अधिक रेखाचित्रों और असंख्य आंकड़ों की सहायता से 2009 और 2014 के आम चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त नतीजें आईएनसी-यूपीए की तुलना में बीजेपी-एनडीए के वोट शेयर में स्पष्ट स्विंग और वृद्धि को दर्शाते हैं, जिनका असर भविष्य में होने वाले चुनावों पर देखने को मिलेगा।

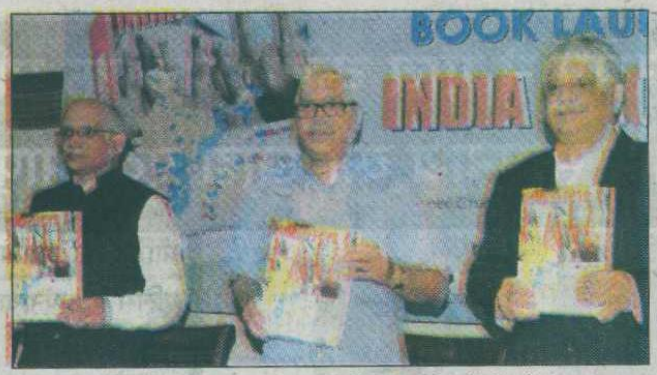

पुस्तक 'इंडिया इलेक्ट्स-2014' का विमोचन करते कुरैशी और अन्य।

'निर्वाचन प्रक्रिया का डाटा काफी महत्वपूर्ण'

नई दिल्ली। कंस्टीच्युशनल क्लब के डिप्टी स्पीकर हॉल में मंगलवार को समारोह में डॉक्टर आरके ठुकराल द्वारा लिखी पुस्तक इंडिया इलेक्ट्स 2014 का विमोचन भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ. एस वाई कुरैशी ने किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस तरह निर्वाचन प्रक्रिया का सांख्यिकीय डाटा काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। इस अवसर पर डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ. आर के ठुकराल ने बताया कि पुस्तक में ज्ञानवर्द्धक जानकारियों और तथ्यों को उजागर करने के लिए 205 नक्शों, 235 से अधिक रेखाचित्रों और 009 और 2014 के आम चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।